विचार बिन्दु

मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है। –प्रेमचंद

आपको क्यों संदेह है कि भारत में लोकतंत्र नहीं है?

भारत देश का अपना संविधान है, जिसे 'भारत का संविधान' कहा जाता है। इस संविधान को भारत के लोगों ने बनाया है। इस संविधान को भारत के लोगों ने ही 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत, अधिनियत किया है तथा भारत के लोगों को आत्मार्पित किया है। संविधान इसलिये बनाया है कि भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणतंत्र बनाया जावे और देश के लोगों ने ही, इस भारत देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय देने का वायदा किया है। विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता दी। प्रतिष्ठता और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा सब लोगों में व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित कर बन्धुता बढाने के लिये दृढ संकल्प होकर भारत लोकतंत्र को बनाया। लोकतंत्र के सभी लोग स्वयं अपने को स्वामी मानते हैं। देश के लोग संघर्ष के स्थान पर विचार विमर्श को ठीक मानते हैं कारतूसों की पेटी के स्थान पर मतपेटी का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार लोकतंत्रात्मक राज्य व्यवस्था हमारे संविधान की बुनियादी व्यवस्था बन गई है। हमने प्रतिनिधिक संसदीय लोकतंत्र को अपनाया है।

उद्देशिका में प्रयोग में लाये गये समाजवादी धर्म निरपेक्ष आदि शब्दों से यह स्पष्ट होता है कि उद्देशिका के उद्दात्त और गरिमामय शब्द भारत के समूचे संविधान के सारांश, दर्शन आदि से यह निष्कर्ष निकलता है कि उद्देशिका में संविधान की कुछ ऐसी बुनियादी विशेषतायें अन्तर्निहित हैं जिनके बावत संविधान का संशोधन नहीं हो सकता।

भारत देश एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। हमें गर्व है हम लोकतंत्र देश के नागरिक हैं। जहाँ अभिव्यक्ति तथा अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता है। समता, समानता व समरसता से हमारी बन्धुता जुडी हुई है। हम आपस में लड सकते हैं, किन्तु दुश्मन के लिये एक हैं।

संविधान में भारत के प्रत्येक नागरिक के मूल कर्त्तव्य दिये हैं। इस प्रकार नागरिकों को जहाँ मूल अधिकार दिये हैं वहीं मूल कर्त्तव्य भी हैं। संविधान के अनुच्छेद 51क में अभिव्यक्त किया है कि प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान की पालना करे और उसके आदर्श, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करेगा। प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह हिंसा से दूर रहेगा और राज्य की सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाये। भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे। सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परीक्षण करे आदि।

देश के कुछ राज्यों की असेम्बलियों के चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव के दंगल की छवि स्पष्ट होने जा रही है। मोदी बनाम अन्य दल चुनाव के दंगल की विशेषता होगा। 23 जून 2023 को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में 18 दलों की सहमति प्राप्त हो चुकी है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

देश की अर्थ व्यवस्था वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार दुनियां में 5वें नम्बर पर है। अर्थ व्यवस्था का आकार 3.75 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। वित्त मंत्रालय की सूचना के अनुसार 2023 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। कई पडोसी देश कर्जे के बोझ से डूब रहे हैं, भारत लोकतंत्र सिर ऊँचा कर खडा था।

राज्य कर्जे के आधार पर मुफ्त की योजनाओं पर रेवडी कल्चर लागू है। सरकारें कर्ज लेकर घी पी रही हैं और पिला रही हैं। लोगों को बिजली मुफ्त मिलेगी। प्रत्येक राज्य में अलग-अलग तरह की रेवडिया मुफ्त में मिलेंगी। राजस्थान राज्य में 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी इसकी सूचना दी जा चुकी है। लुभावनी योजनाओं की घोषणायें होने जा रही हैं। किस-किस रूप में ये रेवडियां प्राप्त होंगी यह वर्णन करना कठिन है। राज्यों की आर्थिक स्थिति सही नहीं है फिर भी पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान आदि के मतदाताओं को ये राज्य कर्ज के सहारे मुफ्त की योजनायें लागू कर चुके हैं और करेंगे। मतदाता को रिझाने के वास्ते मुफ्त बिजली, पानी, सस्ता गैस सिलिन्डर, मुफ्त राशन, बस में महिलाओं को फ्री सफर, वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थ यात्रा, सस्ता भोजन, कृषि ऋण, कर्जों की माफी आदि हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार 28 राज्यों की औसतन 43 प्रतिशत देनदारी बढी है। मध्यप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान, सिक्किम पर आर्थिक देनदारी है। जीएसडीपी के मुकाबले कर्जा अधिक है। राजस्थान में ही घरेलू और कृषि बिजली माफी (फ्री) करने पर एक अनुमान के सहारे 23 हजार करोड का वित्तीय भार पडेगा।

दोनों पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी व राहुलजी द्वारा विपक्ष को जोडकर मजबूत विपक्ष बनाकर जो भाषण बाजी हो रही है उसका स्तर बहुत नीचे गिर चुका है। भारत का लोकतंत्र मजबूत है। जहां सब देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर है वहीं भारत की स्थिति खतरे से दूर है। भारत प्रगतिशील है, उसकी प्रगति को रोका नहीं जा सकता।

मोदी की तारीफ करने पर ही दूसरे व्यक्ति पर कार ही चढा दी, उसकी मौत हो गई। यह घटना मिर्जापुर की है। यह भारत लोकतंत्र की विशेषता है कि विपक्ष को सरकार को गाली निकालने की पूरी आजादी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 21.05.2023 को निर्णय दिया है कि दिल्ली में सरकारी अफसरों पर सरकार का ही नियंत्रण रहेगा। पब्लिक ऑर्डर, पुलिस और जमीन को छोडकर उपराज्यपाल बाकी मामलों में दिल्ली सरकार की सलाह से काम करेंगे। केन्द्र सरकार ने एक अध्यादेश दिनांक 19 मई, 2023 को लाकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निरस्त कर दिया। सीएम केजरीवाल ने केन्द्र सरकार को घेरने का प्रयत्न किया है। उनका कहना है कि 140 करोड लोग साथ लेकर व अध्यादेश निरस्त करायें। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र समाप्त हो रहा है। राहुलजी ने विदेशों में इसी बात को कहा है कि भारत में लोकतंत्र नहीं रहा है। केजरीवाल ने कहा तानाशाही और हिटलर शाही इसी को कहते हैं। भाजपा ने आरोप लगाया राहुलजी ने केन्द्र सरकार को नीचा दिखाने का पूरा प्रयत्न किया है। भाजपा ने कहा इसका कोई असर अमरीका के शासन पर नहीं है, क्योंकि मोदी को अमरीका की संसद में सम्बोधन के लिये आमंत्रित किया है।

राहुलजी व केजरीवाल का कथन संविधान के प्रियम्बल व मूल अधिकारों के विरूद्ध है। विरोध में भी लोकतंत्र निखर रहा है।

दोनों पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी व राहुलजी द्वारा विपक्ष को जोडकर मजबूत विपक्ष बनाकर जो भाषण बाजी हो रही है उसका स्तर बहुत नीचे गिर चुका है। भारत का लोकतंत्र मजबूत है। जहां सब देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर है वहीं भारत की स्थिति खतरे से दूर है। भारत प्रगतिशील है, उसकी प्रगति को रोका नहीं जा सकता। भारत ने अपने कार्य के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यश प्राप्त किया है। चांद पर पहुंचने की तैयारी कर चुका है।

देशद्रोह (Sedition) अर्थात् धारा 124ए की वैधानिकता पर माननीय सुप्रीम कोर्ट विचार कर रही है। विधि आयोग ने अपनी 279th Report on Usage of the Law of Sedition, लेखक की अपनी राय है कि धारा 124ए आईपीसी प्रत्यक्षत: आर्टिकल 13 व अनुच्छेद 19(1)(ए) यानी फ्री स्पीच के अधिकार के विरूद्ध है। विधि आयोग विधिक पोस्ट है, अत: उसकी रिपोर्ट अन्तिम नहीं हो सकती। सुप्रीम कोर्ट में बहस के समय विधि आयोग की रिपोर्ट के साथ केन्द्र सरकार के आदेश पर विचार होगा। यों भी रिपोर्ट पर अन्तिम निर्णय स्टेक होल्डर को सुनकर ही दिया जावेगा।

धारा 124क आईपीसी कॉलोनियल रिजीम का है, जब देश पर अंग्रेजो का राज था और अंग्रेजों के हेतु हम स्लेव से कम नहीं थे। गांधी, तिलक आदि देश के सर्वोच्च नेताओं को धारा 124क के तहत राज्यद्रोह का मुकदमा चला था और उन्हें सजा हुई। देश के लिये यह गांधी की अवमानना थी और देश के लिये कलंक। अत: धारा 124क को अवैध घोषित करना चाहिये। क्या हम कलंक को धो नहीं सकते? पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना का Dessent निर्णय है। वह इस प्रकार है :-

"The rigours of Section 124A of IPC is not in tune with the current social milieu, and was intended for a time when this country was under the colonial regime."

आज का भारत दुनियां का सबसे बडा लोकतंत्र है यानी लोकतंत्र गणराज्य है। इसे लोकतंत्र नहीं मानना केवल मात्र कहने वालों की भूल है।

भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। हमें देश का नागरिक होने पर गर्व है। ऐसी धारा को (124ए को) जिसके तहत् राष्ट्रपिता बापू को राजद्रोह के अपराध की सजा दी गई, भारतीय दण्ड संहिता में स्वतंत्रता के बाद रखना, अपमान जनक है। इस कलंक को मिटाना हमारा धर्म है। भारत लोकतंत्र है यहां सरकार का तख्ता पलट नहीं किया जा सकता। यहां अपने ही लोगों का राज है, वह भी अपने ही लोगों द्वारा तथा अपने ही लोगों पर। राजद्रोह (Sedition) यानी तख्ता पलट यहां नहीं हो सकता। चुनाव में अपनी ही सरकार गिरेगी व अपने ही लोग नई सरकार बनायेंगे।

झंडा ऊँचा रहे हमारा। विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

क्रूरता कायम: राजस्थान सरकार की विवादास्पद गाय नीति

मरियम अबूहैदरी

परिचय:– राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में लंपी के दौरान मरने वाली प्रत्येक गाय के लिए 40,000 रुपये की पर्याप्त राशि प्रदान करने के निर्णय ने एक तीखी बहस छेड़ दी है। जबकि सतही तौर पर यह एक नेक फैसला लग सकता है, मगर करीबी जांच से पता चलता है कि यह नीति न केवल गुमराह करने वाली बल्कि क्रूरता के चक्र को कायम रखती है। ऐसी भूमि में जहां गायों की पूजा की जाती है, यह देखना निराशाजनक है कि सरकार ऐसी नीति का समर्थन और अनुसरण कर रही है जो पशु कल्याण की उपेक्षा करती है और कृत्रिम गर्भाधान और डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को दूर करने में विफल रहती है।

क्रूरता को बनाए रखना: राजस्थान सरकार की नीति में प्राथमिक दोष गायों की मौत के मूल कारण को दूर करने में उसकी विफलता है। ये मासूम जानवर अपने मालिकों की गैर जिम्मेदारी का शिकार हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें कूड़े कचरे में खाने के लिए छोड़ दिया जाता है जिससे पॉलीथीन पेट में भर जाने और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो जाने से गायों की मौत हो जाती है। जिम्मेदार पशुपालन को बढ़ावा देने और गायों के लिए रहने की स्थिति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सरकार ने इन जानवरों की मौत को वित्तीय मुआवजे के साथ पुरस्कृत करने का विकल्प चुना है। यह दृष्टिकोण न केवल क्रूरता के दुष्चक्र को प्रोत्साहित करता है बल्कि पशु कल्याण के मौलिक सिद्धांतों की भी अवहेलना करता है।

कृत्रिम गर्भाधान की क्रूरता: इस नीति का एक अन्य पहलू जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है कृत्रिम गर्भाधान के लिए सरकार का समर्थन। हालांकि इसे प्रजनन उद्देश्यों के लिए तकनीकी प्रगति के रूप में माना जा सकता है, कृत्रिम गर्भाधान गंभीर नैतिक चिंताओं को जन्म देता है। इसमें अक्सर ऐसी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं जो गायों को असुविधा और दर्द पैदा करती हैं। इसके अलावा, इन जानवरों को मात्र उत्पादन इकाइयों के रूप में माना जाता है, उनकी प्राकृतिक प्रजनन प्रणाली में मानव स्वार्थ के लिए हेरफेर किया जाता है। इस तरह के कार्य इन मूक प्राणियों के कल्याण और प्राकृतिक प्रवृत्ति की घोर अवहेलना करते हैं।

नर बछड़ों की उपेक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण: अधिकतम दूध उत्पादन के चक्कर में राजस्थान सरकार नर बछड़ों के हश्र को भूल गई है। डेयरी उद्योग अक्सर उन्हें अधिशेष के रूप में देखता है और अपने स्वार्थ के लिए बिना ये विचारे के इनका क्या भविष्य होगा,उन्हें त्याग देता है। आर्थिक रूप से अव्यवहार्य समझे जाने वाले इन बछड़ों को अकल्पनीय पीड़ा का सामना करना पड़ता है और अक्सर इनका एक दुखद अंत होता है। नर बछड़ों की भलाई की उपेक्षा करने वाली नीति का समर्थन करके, सरकार और अधिक क्रूरता और अन्याय को बढ़ावा देने में मिलीभगत कर रही है।

इसके अतिरिक्त, डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर सरकार का ध्यान न देना चिंताजनक है। कृत्रिम गर्भाधान और गहन प्रजनन तकनीक के मानक बनने के साथ, जनता द्वारा उपभोग किए जाने वाले दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में सवाल उठते हैं। सरकार के लिए अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। हालाँकि, यह किसी भी कीमत पर डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देने के पक्ष में एक अनदेखा पहलू प्रतीत होता है।

गलत प्राथमिकताएं: जहां राजस्थान सरकार गायों से संबंधित नीतियों का समर्थन करने में व्यस्त है, वहीं मौजूदा पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों और कृषि महाविद्यालयों की बिगड़ती स्थिति चिंता का विषय है। एक नए पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय और सात कृषि महाविद्यालयों की स्थापना के लिए धन आवंटित करने वाला राज्य का बजट सरकार की गलत प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। मौजूदा संस्थानों और उनके रखरखाव और सुधार की तत्काल आवश्यकता की उपेक्षा करने के बजाय, संसाधनों को नए उद्यमों के लिए आवंटित किया जा रहा है, मौजूदा बुनियादी ढांचे को अव्यवस्था की स्थिति में छोड़कर।

विवादास्पद गाय नीति का समर्थन करने और उसे आगे बढ़ाने का राजस्थान सरकार का निर्णय न केवल क्रूरता को कायम रखता है बल्कि इससे जुड़ी असंख्य समस्याओं में भी योगदान देता है। अवैध डेयरियों, नगर निगमों और नगर परिषदों की निष्क्रियता, कचरे के ढेर में प्लास्टिक निगलने वाली गायों और सड़कों पर छोड़े गए नर बछड़ों के दुर्भाग्यपूर्ण भविष्य के मूल कारणों को संबोधित करने के बजाय, सरकार की कार्रवाइयाँ इन मुद्दों को और बढ़ा देती हैं। गौशालाएं नर बछड़ों की भी देखभाल कर रहीं हैं , इस पर बिना निगरानी के पूरे वर्ष के लिए गौशालाओं को अनुदान देकर, सरकार अनजाने में अनियमित डेयरी सुविधाओं के प्रसार को प्रोत्साहित करती है, जो गायों के कल्याण से समझौता करती है और पर्यावरण और स्वास्थ्य के खतरों में योगदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1,000 नए दूध मार्गों, 5,000 सरस बूथ और 200 सरस पार्लरों की घोषणा, डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतीत होती है लेकिन दूध और डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी चिंताओं को दूर करने में विफल रहती है। सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करे, व्यापक पशु कल्याण नीतियों और डेयरी उद्योग को विनियमित करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करे, न कि एक ऐसी व्यवस्था को बनाए जो अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देती है और गायों और पर्यावरण की भलाई की अवहेलना करती है। साथ ही घटिया गुणवत्ता के डेयरी उत्पादों द्वारा नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न किया जाए।

– मरियम अबूहैदरी,
पशु अधिकार कार्यकर्ता

पुलिस ने 10 बालश्रमिकों को मुक्त कराया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने मुख्यालय जयपुर के आदेश पर बालकों को संरक्षण और उचित देखभाल की कड़ी में उमंग द्वितीय अभियान चला रखा है। इस कड़ी में कमिश्नरेट के जिला पूर्व एवं पश्चिम में होटलों, ढाबों, कपड़ों की दुकानों, मिठाई दुकानों और ऑटोमोबाइल की दुकानों पर रेड दी गई। पुलिस ने दस बालकों को बालश्रम से मुक्त करवा उन्हें चाइल्ड हैल्पलाइन को सौंपा।

पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने दिशा निर्देश पर पुलिस उपायुक्त पूर्व डॉ. अमृता दुहन, डीसीपी पश्चिम गौरव यादव के आदेशानुसार जिला पूर्व एवं पश्चिम में उमंग द्वितीय अभियान चलाया गया। दोनों जिला पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर रेड देकर दस बालकों को बालश्रम से मुक्त करवाया।

पुलिस ने सदर बाजार पुलिस ने कंचन टैक्सटाइल कपड़े की दुकान संचालक प्रहलाद टाक, सदर कोतवाली पुलिस ने मेहता मार्केट में इंडियन वस्त्रालय के अशोक कुमार, उदयराज एण्ड कंपनी के किशोरकुमार, नागौरी गेट पुलिस ने कर्नल की हवेली के पास ऑटोमोबाइल की दुकान संचालक खलील लुहार, प्रतापनगर सदर पुलिस ने प्रजापत मिष्ठान भंडार के वीराराम प्रजापत, कुड़ी भगतासनी पुलिस ने सेक्टर 7 में एक भोजनालय के संचालक जोराराम जाट, शास्त्रीनगर पुलिस ने पंजाबी चिकन कॉर्नर के संचालक परमेश्वर सिंह, बासनी पुलिस ने द्वितीय फेज बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने जय भवानी भोजनालय के दिनेश कुमार एवं देवनगर पुलिस ने पाल लिंक रोड पर अरोड़ा नमकीन के संचालक गोपाल के खिलाफ जेजे एक्ट में कार्रवाई की। इन सभी के यहां पर बालकों से श्रम करवाया जा रहा था। कार्रवाई में संबंधित थाना पुलिस के साथ मानव तस्करी यूनिट पश्चिम के प्रभारी हुकमाराम भी शामिल रहे।

भू-माफियाओं ने जंगल और चारागाह की जमीनें बेचीं

पाटन, (निसं)। हजारों साल के गौरवमयी इतिहास के साथ प्रकृत्ति द्वारा खुले हाथों से चारों ओर हरियाली और पहाड़ों से घिरा पाटन कस्बा तहसील क्या बना इसके गौरवमयी इतिहास प्राकृतिक सौंदर्य पर भू माफियाओं की नजर लग गई।

तहसील बनते ही नीमकाथाना और कोटपूतली के भू माफियाओं के साथ ही पाटन के कुछ अति लालची भू माफियाओं की नजर कस्बे के पहाड़ों-नालों और जंगलों को इस प्रकार लगी कि पाटन कस्बे के चारों ओर स्थित पहाड़ों में हमेशा लहलाने वाली फेफड़ों रूपी हरियाली और इन पहाड़ों से निकलने वाले कस्बे की नसों रूपी नदी-नालों और कभी पाटन कस्बे के नगर ईष्ट भगवान सीताराम जी के स्नान के लिए स्नान जल का स्त्रोत रही रामतलाई और यहां तक की जंगल और चारागाह की जमीनों तक को भू माफियाओं ने बेच डाला। फिर चाहे खारिया रोड पर प्रसिद्ध राव जी

- **स्नान जल का स्त्रोत रही रामतलाई और यहां तक की जंगल और चारागाह की जमीनों तक को भूमाफिया ने बेचा**

के बंधे के खसरा नंबर 571 पर अतिक्रमण का मामला हो, नीमकाथाना रोड पर पाटन वाटिका कालोनी के खसरा नंबर 362 के गैर मुमकिन नाले को बेचकर वहां भवन निर्माण कर किराए पर चलाने का का कुत्सित मामला हो, मेहरों की ढाणी के खसरा नंबर 304 और 305 में सार्वजनिक उपयोग की सरकारी जमीन पर दुकानें बनाने का मामला हो अथवा पंचायत समिति के पास और पंचायत समिति और बड़े पावर हाउस के सामने चारागाह भूमि पर रोजाना हो रहे अतिक्रमण हों, या धांधेला रोड बाइपास पर गणेश मार्केट में बेचे गये पुराने खसरा नंबर 810 के गैर मुमकिन नाला को बेचने का मामला हो, चाहे रामपुरा रोड पर वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर बेची जा रही कालोनियां हों, चाहे डाबला रोड पर जंगल और सडक से सटती हुई सरकारी जमीनों, नालों की भूमियों में दबंगों द्वारा किये गये बड़े अतिक्रमण और निर्माण हों, यहां ना सिर्फ अतिक्रमण किये गये जबकि अतिक्रमण कर बनाये गये भवनों का व्यवसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। अधिकांश लोग अतिक्रमियों की शिकायत करने से डरते हैं जिससे सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर सरकार को करोड़ों का नुकसान लगा रहे हैं।

इस संबंध में पाटन तहसीलदार मुनेश कुमार सिर्वा का कहना है कि उक्त खसरा नंबर की संपूर्ण जानकारी करवाने के बाद शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई राहत कैंप में एक दिन में मात्र पांच लोगों ने आवेदन किये

किशनगढ़ बास, (निसं)। अनाजमंडी किशनगढ़ बास में लग रहे महंगाई राहत कैंप में सुबह से शाम चार बजे तक केवल पांच लोग ही सरकार की ओर से दी जा रही राहत

- **अनाज मंडी किशनगढ़ बास में करीब 10 दिन से लग रहा है कैंप**
- **'ऐप नहीं चलने के कारण किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी की नकल नहीं मिल पा रही है'**

किशनगढ़ बास अनाज मंडी में लग रहे महंगाई राहत कैंप में लोगों का इंतजार करते कर्मचारी।

को लेने के लिए पहुंचे। करीब 10 दिन से अनाज मंडी कैंप में राहत मांगने वालों की संख्या 100 भी पार नहीं कर सकी है। कर्मचारियों ने बताया कि कई बार तो पूरे दिन में दो-तीन लोग ही राहत के लिए आवेदन करने आए हैं।

कैंप में बैठे किसान ने कहा सरकार एक तरफ तो कैंप लगाकर महंगाई में राहत दे रही है वहीं दूसरी ओर किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी नहीं मिलने के कारण सरसों चने की फसल को बाजार में सस्ते दामों में बेचना पढ़ रहा है। इस संदर्भ में अधिकारियों को शिकायत की पर आज तक किसानों को ऑनलाइन जमाबंदी गिरदावरी नहीं उपलब्ध हो पा रही है।

मोठूका के किसान कृष्ण गोपाल ने बताया कि खैरथल में क्रय विक्रय सहकारी समिति पर सरकार की ओर से सरसों व चने की फसल की खरीद की जा रही है। किसानों को फसल बेचने के लिए ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी लेकर जाना होता है लेकिन ऐप नहीं चलने के कारण किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी की नकल नहीं मिल पा रही है।

पटवार संघ के जिला मंत्री व मोठूका पटवार मंडल के पटवारी मुकेश चौधरी ने बताया कि पिछले करीब 2 महीने से ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी नहीं निकल रही है। इस संदर्भ में नवगठित खैरथल जिला अधिकारी ओएसडी ओमप्रकाश बैरवा सहित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

गोवंश से भरा मिनी ट्रक मिला

नैनवां, (निसं)। बंबूली बामन गांव के बीच गोवंश से भरा मिनी ट्रक मिला। इसमें तेरह में से आठ गोवंश की मौत एक गंभीर मिली। सूचना पर नैनवा एसडीएम शत्रुघ्न गुर्जर, थानाधिकारी सुभाष चंद शर्मा व डीएसपी योगेश चौधरी मौके पर पहुंचे।

अब तक इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार बंबूली व बामन गांव के बीच पिछले दो-चार दिन से एक मिनी ट्रक जिस का नंबर एमपी 13 जीबी 0556 खड़ा हुआ था। वहां से गुजरने वाले ग्रामीणों को जब बदबू आने लगी। तो ट्रक को खोलकर देखा गया जिसमें गोवंश बंधे हुए थे गोवंश इस प्रकार बंधे हुए थे कि वह अपने मुंह से आवाज भी नहीं निकाल पाते। ट्रक में कुल 13 गोवंश थे जिनमें से 8 गोवंश की मौत हो चुकी थी तथा 4 गोवंश जीवित मिले। एक गोवंश की हालत गंभीर बनी हुई है।

उक्त घटना की जानकारी ग्रामीणों द्वारा नैनवा प्रशासन को दी गई सूचना पर सर्वप्रथम एसआई राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली जिसके पश्चात पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी। सूचना पर एसडीएम शत्रुघ्न गुर्जर डीएसपी योगेश चौधरी थाना अधिकारी सुभाष चंद शर्मा मौके पर पहुंचे। युवा बंटी गोस्वामी ने ट्रक के रस से काटकर गोवंश को बाहर निकालने में ग्रामीणों व प्रशासन की मदद की।

- **ट्रक में 13 गोवंश थे जिनमें से 8 गोवंश की मौत हो चुकी थी**

इस बारे में जानकारी देते हुए युवा बंटी गोस्वामी ने बताया कि जब वो पास से निकल रहे थे तो ट्रक में से बदबू आई और शंका के आधार पर ट्रक को खोलकर देखा तो उसमें ऐसा दिखाई दिया की ट्रक को इस प्रकार बनाया गया है कि उसने स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि इस ट्रक में गोवंश की तस्करी की जाती है। ट्रक को पीछे से भूसे के बोरों से पैक कर रखा था। इसके पश्चात स्थानीय नैनवा थाने में इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर नैनवां डिप्टी योगेश चौधरी, नैनवां थाना अधिकारी सुभाष चंद शर्मा,एएसआई राजेंद्र सिंह बजरंग दल के जिला संयोजक लकी चोपड़ा, रजलावता पंचायत के सरपंच रामस्वरूप बिल्डर, बामनगांव उप सरपंच दिनेश गुर्जर, बामनगांव पूर्व सरपंच सत्यनारायण पटेल, आसाराम धाकड़ सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी हुई है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 16 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र दिन 3:07 तक, धृति योग रात्रि 1:22 तक, वणिज करण प्रात: 8:41 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग दिन 3:07 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रात: 8:41 रात्रि 8:56 तक रहेगी। आज मास शिवरात्रि है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:14 तक, लाभ-अमृत 7:19 से 10:45 तक, शुभ 12:27 से 2:10 तक, चर 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक अड़चने अभी यथावत बनी रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।